

दृष्टि दोष से ग्रस्त व्यक्तियों की शिक्षा और समायोजन

दृष्टि दोष (Visual Defects) से ग्रस्त व्यक्तियों की शिक्षा और समायोजन (Adjustment) एक महत्वपूर्ण विषय है। इसमें उनकी विशेष शैक्षिक आवश्यकताओं और सामाजिक समायोजन पर ध्यान दिया जाता है। दृष्टि दोष से प्रभावित व्यक्तियों के लिए शिक्षा और समायोजन की प्रक्रिया उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं पर निर्भर करती है। इसे बेहतर बनाने के लिए विशेष शिक्षण विधियों, सहायक तकनीकों और सामाजिक अनुकूलन रणनीतियों का उपयोग किया जाता है। दृष्टि दोष कई प्रकार के होते हैं, और प्रत्येक प्रकार व्यक्ति के जीवन और सीखने की क्षमता को अलग-अलग प्रभावित करता है।

1. दृष्टि दोष के प्रकार:

निकट दृष्टिदोष (Myopia) – व्यक्ति नज़दीकी चीज़ें स्पष्ट देख सकता है लेकिन दूर की चीज़ें धुंधली दिखाई देती हैं।

दूर दृष्टिदोष (Hypermetropia) – व्यक्ति दूर की चीज़ें स्पष्ट देख सकता है लेकिन नज़दीकी चीज़ें धुंधली दिखती हैं।

अस्थिगम्यता (Astigmatism) – आंख का आकार अनियमित होने के कारण वस्तुएं विकृत दिखती हैं।

रंग अंधता (Color Blindness) – व्यक्ति कुछ रंगों में भेद नहीं कर पाता।

पूर्ण नेत्रहीनता (Total Blindness) – व्यक्ति को कोई भी दृश्य अनुभूति नहीं होती।

2. शिक्षा के लिए विशेष तकनीकें और विधियां

दृष्टिहीन और आंशिक रूप से दृष्टिबाधित छात्रों के लिए विशेष शिक्षण तकनीकें अपनाई जाती हैं:

(A) विशेष शिक्षण विधियां

1. ब्रेल लिपि (Braille System): यह स्पर्श आधारित लिपि होती है जिसमें उभरे हुए बिंदुओं की सहायता से अक्षर पढ़े जाते हैं।
2. श्रव्य शिक्षण (Audio Learning): छात्रों के लिए किताबों को ऑडियो फॉर्मेट में उपलब्ध कराना।
3. स्पर्श आधारित शिक्षा (Tactile Learning): गणित, विज्ञान और भूगोल के लिए उभरी हुई आकृतियों का उपयोग।
4. डिजिटल शिक्षा (Digital Learning): स्क्रीन रीडर सॉफ्टवेयर (जैसे JAWS, NVDA) और टेक्स्ट-टू-स्पीच तकनीकों का उपयोग।
5. बड़ी प्रिंट और उच्च कॉन्ट्रास्ट सामग्री: आंशिक रूप से दृष्टिहीन छात्रों के लिए।



6. विशेष शिक्षकों की सहायता: दृष्टिहीन छात्रों को प्रशिक्षित शिक्षक अतिरिक्त मार्गदर्शन देते हैं।
7. मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक सहायता: आत्मविश्वास बढ़ाने और समाज में घुलने-मिलने के लिए विशेष काउंसलिंग।

(B) सहायक उपकरण (Assistive Devices)

1. व्हाइट केन (White Cane): दृष्टिहीन व्यक्तियों के लिए चलने में सहायक।
2. डिजिटल मैग्नीफायर: आंशिक रूप से दृष्टिहीन छात्रों के लिए।
3. बड़ी और हाई-कॉन्ट्रास्ट किताबें: हल्के दृष्टि दोष वाले छात्रों के लिए।
4. स्पीच-टू-टेक्स्ट सॉफ्टवेयर: छात्रों के उत्तर रिकॉर्ड करने में सहायक।
5. स्मार्टफोन और ऐप्स: जैसे Seeing AI, Be My Eyes, जो दृष्टिहीन व्यक्तियों को स्वतंत्रता प्रदान करते हैं।

3. सामाजिक समायोजन (Social Adjustment)

दृष्टिहीन व्यक्तियों को समाज में आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाने के लिए कई कदम उठाए जा सकते हैं:

(A) समावेशी शिक्षा (Inclusive Education)

- सामान्य स्कूलों में दृष्टिहीन छात्रों के लिए विशेष सुविधाएँ उपलब्ध कराना।
- समावेशी कक्षाओं में सहपाठियों को संवेदनशील बनाना।

(B) आत्मनिर्भरता का विकास (Developing Independence)

- ओरिएंटेशन और मोबिलिटी ट्रेनिंग: जिससे वे बिना किसी मदद के यात्रा कर सकें।
- दैनिक जीवन कौशल सिखाना: जैसे खाना बनाना, साफ-सफाई करना।
- कंप्यूटर और ब्रेल ट्रेनिंग: जिससे वे नौकरी के अवसर प्राप्त कर सकें।

(C) समाज में स्वीकार्यता और जागरूकता

- दृष्टिहीन व्यक्तियों के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना।
- सरकारी योजनाओं और कानूनी अधिकारों की जानकारी देना।



4. सरकारी और गैर-सरकारी सहायता

(A) सरकारी योजनाएं

- दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (Rights of Persons with Disabilities Act, 2016) के तहत विशेष सुविधाएँ।
- मुफ्त शिक्षा, छात्रवृत्ति और तकनीकी सहायता।

(B) गैर-सरकारी संगठन (NGOs) का योगदान

ये संगठन दृष्टिहीन व्यक्तियों को शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता के अवसर प्रदान करते हैं।

- नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड (NAB)
- सेंस इंटरनेशनल इंडिया
- हेलन केलर इंस्टीट्यूट

इस प्रकार, दृष्टि दोष से प्रभावित व्यक्तियों के लिए शिक्षा और समायोजन में ब्रेल, ऑडियो शिक्षण, डिजिटल तकनीक और समाज में समावेश जैसे तरीकों का उपयोग किया जाता है। सही संसाधनों और समर्थन के साथ, ये व्यक्ति आत्मनिर्भर बन सकते हैं और समाज में प्रभावी योगदान दे सकते हैं। एवं वे एक स्वतंत्र और सफल जीवन जी सकते हैं।

